परिवहन ईंधनों की कीमतें बढ़ीं

उद्योग जगत : वैश्विक परिस्थितियों में संतुलित कदम

नई दिल्ली, 15 मई. पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की कीमतों में शुक्रवार को बढ़ोतरी के बाद उद्योग जगत ने कहा कि इससे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें बढ़ेंगी, लेकिन पश्चिम एशिया संकट और वित्तीय स्थिरता को ध्यान में रखते हुए यह कदम राष्ट्रीय हित में था.

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पेट्रोल और डीजल के दाम तीन-तीन रुपये बढ़ाए गए हैं. इसके साथ ही इंद्रप्रस्थ गैस ने शहरी सीएनजी की कीमतों में दो रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा किया. इनफोमेरिक्स रेटिंग्स के मुख्य अर्थशास्त्री मनोरंजन शर्मा ने बताया कि ईंधन की बढ़ी कीमतें परिवहन और उत्पादन लागत पर असर डालेंगी, जिससे महंगाई बढ़ने की संभावना है. उन्होंने कहा कि भारत को अपनी विदेशी मुद्रा और वित्तीय स्थिरता बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था.

अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ के राष्ट्रीय महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने भी कहा कि आम जनता पर थोड़ी बढ़ोतरी का असर होगा, लेकिन यह चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों में जिम्मेदार कदम है.

> इंडियन फाउंडेशन ऑफ ट्रांसपोर्ट रिसर्च एंड ट्रेनिंग के विश्लेषण के अनुसार, डीजल की कीमतों में ?3 प्रति लीटर वृद्धि से माल ढुलाई की लागत 1-1.5 प्रतिशत बढ़ सकती है. हालांकि, बड़े कॉर्पोरेट और सार्वजनिक क्षेत्र के वार्षिक करारों के कारण इसका कुल बाजार पर असर सीमित रहेगा. आईएफटीआरटी ने यह भी बताया कि मई में फैक्ट्रियों से माल उठाने में 8-10 प्रतिशत की कमी दर्ज हुई है. इससे परिवहन कंपनियों के लिए बढ़ी लागत का बोझ ग्राहकों पर डालना मुश्किल होगा और यदि कीमतें बढ़ती भी हैं, तो वह केवल अल्पकालिक होंगी.

रुपया पहली बार 96 प्रति डॉलर के पार लुढ़का

मुंबई, 15 मई. अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपये की गिरावट शुक्रवार को भी जारी रही और यह पहली बार 96 रुपये प्रति डॉलर के पार उतर गया.

पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 95.64 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी. आज यह 22 पैसे लुढ़ककर 95.86 रुपये प्रति डॉलर पर खुली और दोपहर बाद 96.14 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गयी. यह पहला मौका है जब एक डॉलर 96 रुपये के पार निकला है. इससे पहले, बीच कारोबार में रुपये का निचला स्तर 95.96 प्रति डॉलर रहा था. भारतीय मुद्रा खबर लिखे जाते समय 33 पैसे नीचे 95.97 रुपये प्रति डॉलर पर थी. ये अनंतिम आंकड़ें हैं. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से रुपये पर दबाव रहा.

भारत का निर्यात 14% बढ़कर 43 .56 अरब पहुंचा

पश्चिम एशिया के साथ व्यापार में गिरावट

नई दिल्ली, 15 मई. भारत के विदेशी व्यापार ने अप्रैल में मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है. सरकारी आंकड़ों के अनुसार, देश का कुल निर्यात साल-दर-साल आधार पर 13.78 प्रतिशत बढ़कर 43.56 अरब अमेरिकी डॉलर पर पहुंच गया है.

वहीं आयात में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई और यह 71.94 अरब डॉलर तक पहुंच गया. यह संकेत देता है कि वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था की व्यापारिक गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं.

हालांकि कुल व्यापार में वृद्धि के बीच पश्चिम एशिया के साथ व्यापार में तेज गिरावट देखने को मिली है. इस क्षेत्र को भारत का निर्यात लगभग 28 प्रतिशत घटकर 4.16 अरब डॉलर रह गया, जबकि आयात 31.64 प्रतिशत गिरकर 10.47 अरब डॉलर पर आ गया. विशेषज्ञों के अनुसार यह गिरावट क्षेत्रीय तनाव और सप्लाई चेन बाधाओं का परिणाम हो सकती है.

वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार, भारत का कुल व्यापार प्रदर्शन मजबूत घरेलू और बाहरी मांग को दर्शाता है, लेकिन क्षेत्रीय अस्थिरता कुछ बाजारों पर असर डाल रही है.

> कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव ने इस क्षेत्र के व्यापार को प्रभावित किया है . इसके बावजूद भारत का समग्र निर्यात प्रदर्शन यह दिखाता है कि देश की निर्यात क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बनी हुई है . आने वाले महीनों में सरकार और व्यापार जगत की नजर इस बात पर रहेगी कि क्या पश्चिम एशिया की गिरावट अस्थायी है या दीर्घकालिक प्रभाव डालती है .

दालचीनी में छिपा है मधुमेह नियंत्रण का सूत्र

हरिद्वार, 15 मई। पतंजलि के वैज्ञानिकों की दिन-रात की मेहनत एक बार फिर वैश्विक स्तर पर चमक बिखेर रही है। पतंजलि के वैज्ञानिकों की ओर से दालचीनी को लेकर किए जा रहे अनुसंधान को अमेरिका के प्रसिद्ध

पतंजलि का बड़ा शोध
अमेरिकी जर्नल ने स्वीकारा

जर्नल एल्सवियर के फूड रिसर्च इंटरनेशनल ने न केवल स्वीकार किया है अपितु इस बात पर भी मुहर लगा दी है कि दालचीनी में मिलने वाले जैव सक्रिय तत्व से मधुमेह जैसी गंभीर बीमारी को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

यह शोध वैश्विक स्तर पर आयुर्वेद को जहां बड़ा बल देती है, वहीं, मधुमेह के इलाज में दालचीनी की भूमिका को लेकर इलाज के नये आयाम खोल देती है। हजारों साल पहले से ऋषि कहते आ रहे हैं कि- 'उक्ता दारुसिता स्वाद्वी तिक्ता चानिलपित्तहृत्। सुरभिः शुक्रला बल्या मुखशोषतृषापहा।। यानि दालचीनी वायु व पित्त का हरण करके शुक्र और बल के रूप को बढ़ाने वाला होता है। वैसे भी हम दालचीनी के गुणों को वर्षों से जानते और समझते आ रहे हैं लेकिन जो पतंजलि के वैज्ञानिकों के पुरुषार्थ से वैश्विक स्तर पर निकलकर सामने आया है और जिसे विज्ञान ने अब मान्यता दे दी है, वह आयुर्वेद में मील का पत्थर साबित होगा। दरअसल, दालचीनी को लेकर पतंजलि के वैज्ञानिक लंबे समय से अनुसंधान कर रहे थे। अनुसंधान की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सभी प्रमाणिक तथ्यों को अमेरिका के प्रसिद्ध जर्नल 'एल्सवियर' के फूड रिसर्च इंटरनेशनल को भेजा गया। जहां उन्होंने न केवल पतंजलि के रिसर्च को स्वीकार किया बल्कि उस तथ्य को भी माना, जिसमें पतंजलि के वैज्ञानिकों ने अपने रिसर्च में दालचीनी से मधुमेह नियंत्रण की बात कही।

> 'हमारा उद्देश्य केवल शोध करना नहीं, बल्कि ऐसे परिणाम देना है जो मानव जीवन की गंभीर बीमारियों में प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत कर सकें। दालचीनी पर यह अध्ययन उसी दिशा में एक मजबूत कदम है। प्रकृति में ही स्वास्थ्य का संपूर्ण समाधान निहित है, और आयुर्वेद उसी प्रकृति के नियमों को विज्ञान की भाषा में प्रस्तुत करता है। दालचीनी पर हुआ यह शोध उसी सत्य को पुनः स्थापित करता है।
>
> **आचार्य बालकृष्ण, महामंत्री, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार**

आकाश अंबानी बने जियो प्लेटफॉर्म्स के एमडी

सन् 2022 में बने थे जियो के चेयरमैन
1.46 लाख करोड़ रही सालाना कमाई

नई दिल्ली, 15 मई. रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स ने आकाश अंबानी को कंपनी का नया मैनेजिंग डायरेक्टर नियुक्त किया है. कंपनी ने यह फैसला संभावित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग से पहले लिया है.

रेगुलेटरी फाइलिंग के अनुसार आकाश अंबानी का कार्यकाल 9 अप्रैल 2026 से प्रभावी हो गया है और वे अगले पांच वर्षों तक इस पद की जिम्मेदारी संभालेंगे.

बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक जियो प्लेटफॉर्म्स मई के अंत या जून 2026 में आईपीओ के लिए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर सकती है. माना जा रहा है कि आकाश अंबानी की नियुक्ति कंपनी की लिस्टिंग तैयारियों का हिस्सा है. रिलायंस समूह निवेशकों के सामने मजबूत नेतृत्व और भविष्य की स्पष्ट रणनीति पेश करना चाहता है.

आकाश अंबानी लंबे समय से रिलायंस समूह के डिजिटल कारोबार से जुड़े हुए हैं. वे अक्टूबर 2014 से रिलायंस जियो इन्फोकॉम के बोर्ड में शामिल हैं और टेलीकॉम व डिजिटल रणनीतियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं. जून 2022 में उन्हें रिलायंस जियो इन्फोकॉम का चेयरमैन बनाया गया था. अब जियो प्लेटफॉर्म्स के प्रबंध निदेशक बनने के बाद उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है. जियो प्लेटफॉर्म्स रिलायंस इंडस्ट्रीज की प्रमुख सहायक कंपनी है, जिसके अंतर्गत रिलायंस जियो इन्फोकॉम, माई जियो, जियो सिनेमा, जियो सावन और अन्य डिजिटल सेवाएं संचालित होती हैं.

> वित्त वर्ष 2025-26 में जियो प्लेटफॉर्म्स का प्रदर्शन मजबूत रहा . कंपनी ने इस दौरान 1 .46 लाख करोड़ रुपए का कुल राजस्व दर्ज किया, जबकि शुद्ध लाभ 30 हजार करोड़ रुपए से अधिक रहा . विशेषज्ञों का मानना है कि मजबूत वितीय प्रदर्शन और बढ़ते डिजिटल कारोबार के कारण कंपनी के आईपीओ को निवेशकों से अच्छा प्रतिसाद मिल सकता है .

भारत ने चीनी निर्यात पर लगाया बैन

घरेलू कीमतों में तेजी रोकने की कोशिश
इथेनॉल उत्पादन बढ़ने से एक्सपोर्ट में कमी

नई दिल्ली, 15 मई. भारत सरकार ने घरेलू चीनी की बढ़ती कीमतों को नियंत्रित करने के लिए तत्काल प्रभाव से चीनी के निर्यात पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया है. यह प्रतिबंध 30 सितंबर 2026 तक या सरकार के अगले आदेश तक लागू रहेगा.

उत्पादन और निर्यात के मामले में भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है, जबकि ब्राजील पहले स्थान पर है. भारत दुनिया का सबसे बड़ा चीनी उपभोक्ता भी है. देश में त्योहार, मिठाई, पैकेट बंद खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थों में चीनी की खपत गहराई से जुड़ी है. निर्यात पर रोक लगाने का मुख्य कारण महाराष्ट्र और कर्नाटक जैसे प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में फसल कम होने का डर है.

मौसम से जुड़ी अनिश्चितता, अल नीनो और कमजोर मानसून की संभावना के कारण गन्ने की पैदावार प्रभावित हो सकती है. इसके अलावा, बढ़ते इथेनॉल उत्पादन ने भी घरेलू उपलब्धता पर असर डाला है, क्योंकि गन्ने के रस का एक बड़ा हिस्सा अब ईंधन के लिए इस्तेमाल हो रहा है.

सरकार का उद्देश्य महंगाई पर काबू पाना और देश के अंदर चीनी की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है. निर्यात पर रोक लगाकर खुदरा कीमतों को स्थिर रखने और घरेलू बाजार में संतुलन बनाए रखने का प्रयास किया जा रहा है.

> इस कदम से वैश्विक बाजार में भारत के निर्यात पर असर पड़ेगा, क्योंकि देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक होने के नाते अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है .

सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट

2,240 रुपए सस्ता हुआ सोना

11,700 रुपए नीचे आई चांदी

नई दिल्ली, 15 मई. देशभर के सर्राफा और वायदा बाजार में शुक्रवार को सोना और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई.

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) में शुरुआती कारोबार के दौरान चांदी करीब 11,700 प्रति किलो तक सस्ती हो गई, जबकि सोने की कीमत में 2,000 से अधिक की गिरावट देखने को मिली.

एमसीएक्स पर जुलाई डिलीवरी वाली चांदी 4 प्रतिशत टूटकर 2,79,458 प्रति किलो पर पहुंच गई. पिछले कारोबारी सत्र में यह 2,91,102 प्रति किलो पर बंद हुई थी. वहीं जून डिलीवरी वाला सोना गिरकर 1,59,946 प्रति 10 ग्राम पर आ गया. सर्राफा बाजार में भी गिरावट का असर दिखाई दिया. 24 कैरेट सोना 2,240 टूटकर 1,60,090 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. 22 कैरेट सोना 2,050 की गिरावट के साथ 1,46,750 प्रति 10 ग्राम और 18 कैरेट सोना 1,680 सस्ता होकर 1,20,070 प्रति 10 ग्राम पर कारोबार करता दिखा. वहीं चांदी 10,000 घटकर 2,90,000 प्रति किलो पर आ गई.

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद महंगाई बढ़ने की आशंका तेज हुई है.

फ्री लुक पीरियड में लौटेगा पैसा

नई दिल्ली, 15 मई. बीमा पॉलिसी खरीदने के बाद यदि उसकी शर्तें पसंद न आएं या फायदे उम्मीद के मुताबिक न लगें, तो ग्राहकों को परेशान होने की जरूरत नहीं है. बीमा कंपनियां ग्राहकों को 'फ्री लुक पीरियड' की सुविधा देती हैं, जिसके तहत तय समय सीमा के भीतर पॉलिसी रद्द कर प्रीमियम की राशि वापस ली जा सकती है.बीमा क्षेत्र में फ्री लुक पीरियड वह अवधि होती है, जिसमें ग्राहक पॉलिसी दस्तावेज मिलने के बाद उसकी पूरी जानकारी की समीक्षा कर सकता है.

आयुष मंत्रालय और भाषिनी के बीच एआई समझौता

नई दिल्ली, 15 मई. देश में पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को अधिक सुलभ और डिजिटल बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया गया है.

आयुष मंत्रालय और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत कार्यरत प्रभाग के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं. इस समझौते का उद्देश्य आयुष ज्ञान प्रणालियों—जैसे आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी—की जानकारी को देश की विभिन्न भाषाओं में तेजी से और सटीक तरीके से उपलब्ध कराना है.

इस पहल के तहत आयुष से जुड़ी डिजिटल सामग्री को भारत की 22 अनुसूचित भाषाओं में अनुवादित किया जाएगा, जिससे देश के अलग-अलग हिस्सों के लोग अपनी मातृभाषा में स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे. इससे भाषा की बाधा कम होगी और पारंपरिक चिकित्सा ज्ञान का व्यापक प्रसार संभव होगा.

> इस कदम से वैश्विक बाजार में भारत के निर्यात पर असर पड़ेगा, क्योंकि देश दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक होने के नाते अंतरराष्ट्रीय व्यापार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है .

समाचार विशेष

निशांत के नवरत्न साधेंगे सत्ता की राह

पटना. संगठन और सत्ता के दो धारी तलवार पर चल रहे राज्य के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार की राह में सफलता के आयाम गढ़ने नवरत्न तैयार किए जा रहे हैं. ये नवरत्न जो टोडर मल की तरह वित्तीय, अब्दुल रहीम ख़ान-ए-खाना और मुल्ला दो प्याज़ा की तरह तीक्ष्ण बुद्धि, प्रशासनिक दक्षता और फकीर अजियाओ-दीन की तरह आध्यात्मिक गुरु और अबुल फजल की तरह सलाहकार बन कर राजनीति के मार्ग को साध सके.

सत्ता की राजनीति के कुशल और कार्यक्षमता वाले संजय गांधी तो 7 मई, 2026 को हुए मंत्रिमंडल विस्तार से ही निशांत कुमार के साथ रह रहे हैं. मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार के साथ अच्छा खासा लगभग तीन दशक गुजारने वाले संजय झा विश्वसनीय तो है ही साथ ही निर्णय लेने में भी महारथ हासिल है. इतने माहिर राजनीतिज्ञ संजय गांधी से निशांत कुमार को लगातार प्रशिक्षण मिल रहा है. यह प्रशिक्षण घर से ले कर जदयू कार्यालय और अब तो स्वास्थ्य विभाग के कक्ष तक में संजय गांधी अपनी निगहबानी में निशांत कुमार को रख रहे हैं.

निशांत कुमार के स्वास्थ मंत्री बनते ही यह चर्चा तेज हो गई कि यह तो बड़ी जिम्मेदारियों वाला पद है. उपलब्धियां बड़ी बड़ी हो सकती है, पर बदनामी तो हर दिन तय है. जनता से सीधे जुड़े मामले में चिकित्सक और मरीज के आमने-सामने होना और फिर चिकित्सकों और मरीज के बीच आए दिन मारपीट जैसे आपराधिक घटना की पुनरावृत्ति होते रहना. इन स्थितियों से निपटने लिए स्वास्थ्य मंत्री का अटैकिंग होना बहुत ही जरूरी है. इसलिए जदयू के थिंक टैंक से एक और रत्न प्रशासनिक सेवा से निकाले गए.

नीतीश के साथ रवि का गहरा जुड़ाव

स्वास्थ्य विभाग में आने से पहले वे भवन निर्माण विभाग के सचिव के पद पर तैनात थे . फिर एक बदलाव के तहत उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय में सचिव के रूप में लाया गया था . जहां वे सीधे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के स्तर पर नीतिगत दस्तावेजों, अध्यादेशों और बड़ी योजनाओं की समीक्षा और समन्वय का काम करते थे . नीतीश कुमार के साथ गहरा जुड़ाव कुमार रवि का रहा है . नीतीश कुमार उन पर भरोसा कर सकते हैं . सांगठनिक रत्न तो पहले ही निशांत कुमार की युवा टीम तो पहले ही बन गई थी, इस युवा टीम में विधायक रूहेल रंजन, शुभानंद मुकेश, विधायक कोमल सिंह, विधायक चेतन आनंद को जोड़ा गया है .

हर घर तक पहुंचकर तोड़ेंगे विपक्ष का भ्रम

पंकज चौधरी का संदेश, बूथ विजय मंत्र के साथ भाजपा ने कसी चुनावी कमर

लखनऊ. उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने संगठनात्मक स्तर पर अपनी सक्रियता तेज कर दी है.

इसी क्रम में सोमवार को प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी और प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने प्रदेश महामंत्रियों और क्षेत्रीय अध्यक्षों के साथ महत्वपूर्ण बैठक कर संगठनात्मक अभियानों और आगामी रणनीति पर विस्तृत मंथन किया. बैठक में बूथ सशक्तिकरण, प्रशिक्षण अभियान,

पन्ना प्रमुखों की सक्रियता और हर घर दस्तक अभियान को लेकर विशेष चर्चा हुई.

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा कि विधानसभा चुनाव की दृष्टि से संगठन का प्रत्येक अभियान बूथ-केंद्रित होना चाहिए. उन्होंने कहा कि पार्टी को हर बूथ पर विजय के संकल्प के साथ आगे बढ़ना है. इसके लिए सूक्ष्म प्रबंधन, अथक परिश्रम तथा लक्ष्य-आधारित रणनीति अपनानी होगी. उन्होंने कहा कि बूथ ही भाजपा की वास्तविक ताकत है. बूथ की मजबूती ही चुनावी विजय का आधार बनेगी.

विपक्ष कर रही भ्रम की राजनीति- यूपी भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष केवल झूठ, फरेब और भ्रम फैलाने की राजनीति कर रहा है. वहीं, भाजपा का लक्ष्य हर घर तक पहुंचकर जनता को सरकार की योजनाओं और विकास कार्यों की सही जानकारी देना है.

महामंत्री ने दिया बड़ा संदेश

प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने कहा कि जिला स्तर पर चलाया जा रहा प्रशिक्षण अभियान केवल औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि वैचारिक रूप से सशक्त और प्रशिक्षित कार्यकर्ता तैयार करने का माध्यम है . उन्होंने निर्देश दिए कि जिन बूथों पर अभी तक बूथ समितियों का गठन नहीं हुआ है, वहां शीघ्र प्रक्रिया पूरी की जाए . धर्मपाल सिंह ने कहा कि प्रत्येक बूथ पर मजबूत बूथ समिति, सक्रिय शक्ति केंद्र और प्रभावी पन्ना प्रमुखों की संरचना तैयार कर संगठन को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा .

मंत्री तय करने में भाजपा क्यों देरी कर रही?

नई दिल्ली. भारतीय जनता पार्टी दो राज्यों में चुनाव जीती है और दोनों राज्यों में उसके मुख्यमंत्रियों ने शपथ ग्रहण कर ली है.

पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी और असम में हिमंत बिस्वा सरमा सीएम बने हैं. लेकिन हैरानी की बात है कि दोनों राज्यों में मुख्यमंत्री के साथ चुनिंदा मंत्रियों ने ही शपथ ली. पश्चिम बंगाल शुभेंदु के साथ दिलीप घोष, अशोक कीर्तनिया, खुदीराम टुडू, निशीथ प्रमाणिक और अग्निमित्रा पॉल यानी पांच मंत्रियों ने शपथ ली. सोचें, राज्य में 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं लेकिन मुख्यमंत्री सहित सिर्फ छह मंत्री बने हैं. ऐसे ही असम में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के साथ सिर्फ चार मंत्रियों ने शपथ ली. भाजपा के दो नेताओं रामेश्वर तेली और अजंता नियोग मंत्री बने हैं तो असम गण परिषद से अतुल बोरा और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट से चरण बोरा को शपथ दिलाई गई है. असम में 18 मंत्री बन सकते हैं.

विशेष | सबसे युवा सुरेंद्र दिलेर को मंत्री बनाकर दलित वोट साधने की तैयारी

भाजपा की 2027 यूपी चुनाव रणनीति

अलीगढ़. बंगाल चुनाव में भगवा लहराने के बाद भाजपा की नजर अब 2027 में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव पर है. उससे पहले पार्टी हर राजनीतिक हथियार को धार देने में लगी है जिससे चुनावी समर में विपक्ष पर हमलावर हो सके. विधायक सुरेंद्र दिलेर को मंत्री मंडल में शामिल कर पार्टी ने यही संकेत दिया है.

दिलेर भाजपा में एकमात्र ऐसे विधायक हैं जो वाल्मीकि समाज से आते हैं. उन्हें मंत्री बनाकर पार्टी दलित वोटों को और मजबूती से साध सके. चुनाव प्रचार में पार्टी दिलेर को दलित चेहरा बनाकर भी पेश कर सकती है.

खैर विधानसभा क्षेत्र से विधायक सुरेंद्र दिलेर को मंत्री बनाए जाना इस लिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि क्योंकि हाथरस सांसद अनूप प्रधान इसी सीट से विधायक रहते हुए योगी सरकार में राज्यमंत्री थे. 2024 में लोकसभा चुनाव में पार्टी ने अनूप प्रधान को हाथरस सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ाया और वो जीते भी. लोकसभा चुनाव के बाद इस सीट पर हुए उपचुनाव में सुरेंद्र दिलेर जीतकर विधायक बने थे. पार्टी ने उन्हें मंत्री बनाकर खाली हुए मंत्री के पद को भी भरने का काम किया है. भाजपा के लिए अलीगढ़ राजनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण है. अलीगढ़ की सभी सात विधानसभा सीटों पर भाजपा के विधायक हैं. सांसद, जिला पंचायत अध्यक्ष और मेयर भी भाजपा से हैं. पश्चिमी उत्तर में भाजपा की करीब से नजर रहती है. दिल्ली एनसीआर के नजदीक होने के चलते लोकसभा और विधानसभा चुनाव में पार्टी के लिए इस क्षेत्र से जीतना अहम हो जाता है.

मोदी भी भाषणों में अलीगढ़ का जिक्र करना नहीं भूलते- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी अपने भाषणों अलीगढ़ का जिक्र करना नहीं भूलते. जेवर एयर पोर्ट के उद्घाटन समारोह में भी यह देखने को मिला. खैर के नजदीक होने के चलते पार्टी प्रबंधन ने खैर विधायक सुरेंद्र दिलेर को मंच पर जगह दी थी. इसके बाद से माना जा रहा था पार्टी दिलेर को कोई बड़ी जिम्मेदारी दे सकती है. मंत्री बनाए गए सुरेंद्र दिलेर को राजनीतिक विरासत में मिली. उनके दादा किशनलाल दिलेर पार्टी के मजबूत स्तंभ थे. ताउम्र पार्टी से जुड़े रहे. भाजपा के गठन के बाद 1980 में जब पहला विधानसभा का चुनाव हुआ तो जिले की दसों सीटों पर पार्टी खाता नहीं खोल सकी थी. कोल सीट से पूर्व सांसद किशनलाल दिलेर और अतरौली से पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह ही जमानत बचाने में सफल रहे थे.

जिले को फिर मिले दो मंत्री, पश्चिमी यूपी में बढ़ेगी मजबूती

पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह परिवार और दिलेर परिवार के राजनीतिक सफर में भी कई समानताएं देखी जा रही हैं . दोनों परिवारों की तीन-तीन पीढ़ियां सक्रिय राजनीति में रही हैं . कल्याण सिंह सांसद व विधायक रहे, उनके पुत्र भी सांसद-विधायक बने और तीसरी पीढ़ी में संदीप सिंह विधायक से मंत्री बने . इसी तरह किशनलाल दिलेर के बाद दूसरी पीढ़ी में राजवीर सिंह दिलेर सांसद-विधायक बने और अब तीसरी पीढ़ी में सुरेंद्र दिलेर विधायक हैं . भाजपा संगठन के स्थानीय नेताओं का मानना है कि अगर सुरेंद्र दिलेर को मंत्रिमंडल में जगह मिलती है तो इससे पश्चिमी यूपी में अनुसूचित जाति वर्ग में पार्टी को राजनीतिक मजबूती मिलेगी .